जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

21 फरवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामाजिक कार्य विभाग ने 'भारत के रणनीतिक 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान' पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामाजिक कार्य विभाग ने 19 फरवरी, 2025 को 'भारत के रणनीतिक 100-दिवसीय टीबी अभियान' के प्रासंगिक विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया । प्रतिष्ठित पैनल में डॉ. बी.के. वशिष्ठ, वरिष्ठ सलाहकार, राज्य टीबी सेल, नई दिल्ली; डॉ. उमेश कुमार, जिला टीबी अधिकारी, चेस्ट क्लिनिक, नेहरू नगर; और डॉ. लक्ष्मी अरविंदन, डब्ल्यूएचओ सलाहकार शामिल थे। पैनल का उद्देश्य राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत 100 दिवसीय टीबी उन्मूलन अभियान में युवा छात्रों की जागरूकता और भागीदारी बढ़ाना था। 100-दिवसीय गहन अभियान के साथ राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम का लक्ष्य 2030 के लिए निर्धारित सतत विकास लक्ष्य से पांच साल पहले 2025 तक देश में टीबी को खत्म करना है। अभियान का उद्देश्य मामलों का पता लगाने में सुधार करना, निदान में देरी को कम करना और विशेष रूप से कमजोर आबादी के लिए उपचार के परिणामों को बढ़ाना है।

संसाधन व्यक्तियों का स्वागत करते हुए जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सामाजिक कार्य विभाग की अध्यक्ष प्रो नीलम सुखरामानी ने इस बात पर रोशनी डाली कि सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए चिकित्सा जानकारी प्राप्त करना कितना महत्वपूर्ण है और सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए टीबी के मनो-सामाजिक आयामों को संबोधित करना कितना महत्वपूर्ण है।

पैनलिस्टों ने प्रसार, लक्षण, टीबी संक्रमण बनाम बीमारी और टीबी संपर्कों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। चर्चा का उद्देश्य टीबी के बारे में जागरूकता पैदा करना और टीबी रोगियों को कलंकित करने वाले लोकप्रिय मिथकों को दूर करना भी था। उदाहरण स्वरूप समुदाय के साथ कार्य करते समय, संक्रामक प्रकृति के कारण बीमारी के संक्रमण की आशंका आम है। पैनलिस्टों ने बताया कि टीबी से पीड़ित लोगों के लिए अपने आस-पास के लोगों में टीबी बैक्टीरिया फैलाने के लिए, टीबी के संपर्क की अवधि लगभग 6 घंटे होती है और मास्क के इस्तेमाल से इसे रोका जा सकता है। वक्ताओं ने 4T पर ध्यान केंद्रित किया - परीक्षण, ट्रैकिंग, उपचार और टीबी उन्मूलन में प्रौद्योगिकी। उच्च जोखिम वाले समूहों में मधुमेह रोगी, शराब पीने वाले, धूम्रपान करने वाले, कुपोषित, प्रतिरक्षा-कमजोर व्यक्ति और सीमित वेंटिलेशन वाले आवास बस्तियों में रहने वाले लोग शामिल हैं।

वक्ताओं डॉ. बी.के. वशिष्ठ और डॉ. उमेश कुमार ने राज्य, जिला एवं राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे प्रयासों के बारे में बहुमूल्य जानकारी दी। निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत रोगियों को प्रति माह 1000 रुपये और ऊर्जा से परिपूर्ण पोषण संबंधी पूरक मिलते हैं जो उनके बीमारी से ठीक होने में सहायता करते हैं। डॉ. लक्ष्मी ने जनभागीदारी और निक्षय मित्र पर रोशनी डालते हुए 100 दिवसीय टीबी अभियान के घटकों को साझा किया। उन्होंने सामुदायिक भागीदारी के महत्व एवं टीबी रोगियों को भावनात्मक और पोषण संबंधी सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता पर बल दिया। वक्ताओं का उद्देश्य छात्रों को भविष्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य पेशेवरों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के रूप में सहायता करना था। उन्होंने जागरूकता बढ़ाने और समुदाय को शिक्षित करने में अपनी भूमिका के बारे में बताया जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी इस संक्रामक बीमारी से प्रभावित न रहे।

पैनल चर्चा ज्ञानवर्धक थी जिसमें भारत में टीबी को खत्म करने की दिशा में सरकार के महत्वपूर्ण प्रयासों को प्रदर्शित किया गया। चर्चा ने सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक कार्य के छात्रों की सक्रिय भागीदारी

को भी प्रोत्साहित किया जिसमें सरकार द्वारा परिकल्पित टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास के महत्व पर बल दिया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने टीबी मुक्त भारत में अपना योगदान देने की शपथ ली।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया